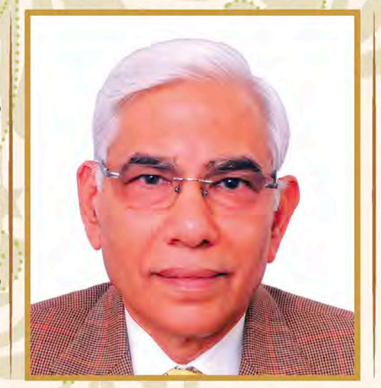

श्री विनोद राय

Shri Vinod Rai



पद्म भूषण

Padma Bhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री विनोद राय

श्री विनोद राय, भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक व्यापक रूप से भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन के प्रतीक के रूप में माने जाते हैं तथा आपने समकालिक भारत में उत्तरदायित्व और पारदर्शिता के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के कार्यालय को एक सशक्त बल के रूप में परिवर्तित किया।

2. आपका जन्म 23 मई, 1948 को हुआ। आपने हिंदू महाविद्यालय से अर्थशास्त्र में बी.ए. (प्रतिष्ठा), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशासत्र में निष्णात की डिग्री तथा हारवर्ड विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में निष्णात की डिग्री प्राप्त की। वह केरल संवर्ग के 1972 बैच के आई ए एस हैं। आपने त्रिशूर के उप कलेक्टर के रूप में अपने कॅरियर की शुरूआत की और बाद में जिला कलेक्टर बने। आपको अभी भी उस जिले में द्वितीय सख्तन तमपुरम के रूप में याद किया जाता है (पहला सख्तम तमपुरम कोचीन के राजा हैं जो त्रिशुर में रहे और जिनको 18वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में शहर का निर्माण करने का कार्य दिया गया था। आपने राज्य और केन्द्र सरकार, दोनों में, कई प्रकार के कार्य किए हैं। आप वर्ष 1977 से 1980 तक केरल राज्य सहकारी विपणन परिसंघ के प्रबंध निदेशक थे और आपने इसे भारत से मसालों और काली मिर्च का सबसे बड़ा निर्यातक बनाया। आपने केरल सरकार में सचिव (कृषि) तथा प्रधान सचिव (वित्त) के रूप में भी कार्य किया। आपने वाणिज्य मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में अपनी नियुक्ति से पूर्व आप वित्त मंत्रालय में सचिव (वित्तीय सेवा) थे।

3. आप भारत अवसंरचना वित्त कंपनी स्थापित करने में सहायक थे और इस कंपनी के बोर्ड में भी थे। राज्य और केन्द्र, दोनों सरकारों की सेवा करने के अलावा आप भारतीय स्टेट बैंक, आई सी आई सी आई बैंक, आई डी बी आई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम तथा भारत के अवसंरचना विकास तथा वित्त कंपनी सहित कई बोर्डों में निदेशक रहे हैं। आप बाहरी लेखापरीक्षकों के संयुक्त राष्ट्र पैनल के अध्यक्ष भी थे तथा इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशन के शासकीय निकाय में सदस्य भी थे। आप एशियन आर्गनाईजेशन ऑफ सुप्रीम ऑडिट इस्टीट्यूशन के शासकीय निकाय के अध्यक्ष रहे हैं। आपके नेतृत्व में भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग को उसकी पेशेवर कार्य पद्धति और निरपेक्ष रिपोर्टिंग के लिए सराहना मिली है। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में पहली बार भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लेखापरीक्षण का जटिल एवं आधुनिक एजेंसियों अर्थात अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना तथा विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन, जिनेवा के लेखा परिक्षण का दायित्व दिया गया।

4. आप इस समय इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया स्टडीज सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में आगंतुक वरिष्ठ अनुसंधान फेलो हैं। आपने विभिन्न कंपनियों के निदेशक मंडल में भी कार्य किया। आपने अवसंरचना विकास वित्त कंपनी बोर्ड तथा शुभम आवास वित्त कंपनी लिमिटेड के बोर्ड की अध्यक्षता भी की।

5. आपको कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2011 में फॉर्ब्स मैगजीन ने आपको 'वर्ष का व्यक्ति' के रूप में घोषित किया। आपको जनवरी, 2013 में सी एन बी सी टी वी 18 द्वारा 'भारतीय अर्थ व्यवस्था के हित में उत्कृष्ट योगदान' के लिए एक ट्रॉफी दी गई। आप अपनी बेबाक लेखापरीक्षाओं के लिए लगातार सुर्खियों में रहे जिनमें राष्ट्र मंडल खेलों के लिए खराब तैयारियों के बारे में आलोचना पूर्ण रिपोर्टों से लेकर टू जी स्पेक्ट्रम और कोल ब्लॉक आबंटनों के मामले शामिल हैं।

Shri Vinod Rai

Shri Vinod Rai ,former Comptroller and Audit General of India, is widely considered as the symbol of anti-corruption movement and is credited with having turned the office of CAG into a powerful force for Accountability and Transparency in contemporary India.

2. Born on May 23, 1948, Shri Rai holds a B.A (Hons) degree in Economics from the Hindu College, Masters Degree in Economics from the Delhi School of Economics, University of Delhi and a Masters in Public Administration from Harvard University. He belongs to the 1972 IAS batch of Kerala Cadre. Starting his career as sub Collector of Thrissur and later as the District Collector, he is still remembered in that district, as the second Sakthan Thampuram (the first being the King of Cochin himself who lived in Thrissur and is credited with building the city in late 18th century). He has handled a variety of jobs in both State & Central Governments. He was the Managing Director of Kerala State Co-operative Marketing Federation from 1977 to 1980, and made it the largest exporter of spices and black pepper from India. He also served as Secretary (Agriculture) and Principal Secretary (Finance), to the Government of Kerala. He has served in senior positions in the ministries of Commerce and Defence, in the Government of India. Prior to his appointment as the CAG, he was Secretary (Financial Services) in the Ministry of Finance.

3. Shri Rai was instrumental in setting up the India Infrastructure Finance Company and was also on the board of this company. Apart from serving both State & Central Governments, he has been a director on several Boards including State Bank of India, ICICI Bank, IDBI Bank, LIC of India and Infrastructure Development & Finance Company of India. He was also the Chairman of the United Nations panel of external auditors and member of the Governing Board of the International Organisation of Supreme Audit Institutions (INTOSAI). Mr. Rai has been the Chairman of the Governing Board of Asian Organisation of Supreme Audit Institutions (ASOSAI). Under the stewardship of Mr Rai, the Indian Audit and Accounts department was acclaimed for its professionalism and objective reporting. In the international arena, it was for the first time that the CAG of India was awarded the responsibility of auditing complex and sophisticated agencies such as the International Atomic Energy Agency, Vienna and the World Intellectual Property Organisation, Geneva.

4. Shri Rai is presently a Visiting Senior Research Fellow in the Institute of South Asian Studies, in the National University of Singapore. He also serves on the Board of directors of different companies, chairing the Board of Infrastructure Development Finance Company and Shubham Housing Finance company Ltd.

5. Shri Rai has been honoured with several awards and recognitions. Forbes magazine, in 2011, declared him as 'A person of the Year'. He was awarded a trophy for' outstanding contribution to the cause of the Indian Economy' in January 2013 by CNBC TV 18. He consistently hit the headlines for his unforgiving audits, ranging from the scathing reports on the shoddy preparations for the Commonwealth Games to the 2G Spectrum and coal block allocations.